भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 879
दिनांक 26 जुलाई, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

जन औषधि केन्द्रों का आधुनिकीकरण

879. डॉ. कलानिधि वीरास्वामीः
श्री दिलीप शइकीयाः

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रधान मंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के उद्देश्य और प्रमुख विशेषताएं क्या-क्या हैं;

(ख) तमिलनाडु राज्य में उक्त योजना के अंतर्गत अब तक कितनी धनराशि स्वीकृत, आवंटित और उपयोग की गई है;

(ग) इस योजना के अंतर्गत तमिलनाडु और असम सहित देश भर में अब तक कुल कितने जन औषधि केन्द्र (जेएके) स्थापित किए गए हैं और जेएके द्वारा उपलब्ध कराई जा रही दवाओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त योजना ने वहनीय मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराकर आम आदमी के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा देश में जेएके के नेटवर्क को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है; और

(च) क्या सरकार को देश भर में उक्त केन्द्रों में अनियमितताओं के संबंध में विभिन्न राज्यों से शिकायतें प्राप्त हुई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है/किए जाने का विचार है?

उत्तर
रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री (सुश्री अनुप्रिया पटेल)

(क): "प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी)" औषध विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार की प्रमुख योजना है, जिसके अंतर्गत प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (पीएमबीजेके) जैसे समर्पित स्टोरों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयों की बिक्री की जाती हैं।

पीएमबीजेपी योजना के उद्देश्य निम्नानुसार हैं:-

- सभी के लिए किफायती मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां, उपभोग्य वस्तुएं और शल्य चिकित्सा वस्तुएं उपलब्ध कराना तथा उपभोक्ताओं/मरीजों की जेब से होने वाले खर्च को कम करना।
- आम जनता के बीच जेनेरिक दवाइयों को लोकप्रिय बनाना तथा इस प्रचलित धारणा को दूर करना कि कम मूल्य वाली जेनेरिक दवाइयां कम गुणवत्ता वाली या कम प्रभावी होती हैं।
- पीएमबीजेपी केन्द्रों के उद्घाटन में व्यक्तिगत उद्यमियों को शामिल करके रोजगार सृजन करना।

यह योजना सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ निजी उद्यमियों द्वारा भी संचालित की जाती है। इस योजना की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं :-

- जन औषधि केंद्र संचालकों को वित्तीय सहायता और बिक्री आधारित प्रोत्साहन।
- महिलाओं, दिव्यांगजनों, पूर्व सैनिकों, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, द्वीप क्षेत्रों, हिमालयी और पूर्वोत्तर राज्यों के आवेदकों के लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान।
- जन औषधि दवाइयों के मूल्य आमतौर पर खुले बाजार में उपलब्ध ब्रांडेड दवाइयों के मूल्यों की तुलना में 50%-90% तक कम होते हैं।
- उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दवाइयां केवल विश्व स्वास्थ्य संगठन– उत्तम विनिर्माण पद्धतियों (डब्ल्यूएचओ-जीएमपी) प्रमाणित आपूर्तिकर्ताओं से ही खरीदी जाती हैं।
- मालगोदामों में पहुंचने के बाद दवाइयों के प्रत्येक बैच का परीक्षण 'राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड' (एनएबीएल) द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में किया जाता है।

(ख): प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के अंतर्गत राज्य/केंद्र शासित प्रदेश-वार कोई विशिष्ट बजट आबंटित नहीं किया गया है।

(ग): पीएमबीजेपी के अंतर्गत, देशभर में दिनांक 30.06.2024 तक 12,616 प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (पीएमबीजेके) खोले जा चुके हैं, जिनमें से 1107 केंद्र तमिलनाडु में तथा 150 केंद्र असम में खोले जा चुके हैं। देशभर में दिनांक 30.06.2024 तक खोले गए पीएमबीजेके की राज्य/केंद्र शासित प्रदेश-वार सूची **अनुलग्नक** के रूप में संलग्न है।

पीएमबीजेपी की उत्पाद श्रृंखला में 2047 दवाएं और 300 शल्य चिकित्सा और चिकित्सा उपभोग्य वस्तुएं शामिल हैं, जो सभी प्रमुख चिकित्सीय समूहों जैसे कार्डियोवैस्कुलर, कैंसर-रोधी, मधुमेह-रोधी, एंटी-इंफेक्टिव, एंटी-एलर्जिक, गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल दवाएं, न्यूट्रास्युटिकल्स आदि को कवर करती हैं।

(घ) और (ङ): इस योजना ने वहनीय मूल्यों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयाँ उपलब्ध करवाकर आम लोगों के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। पिछले 10 वर्षों में, पीएमबीजेके के माध्यम से 5,600 करोड़ रुपये की दवाओं की बिक्री की गई है, जिससे नागरिकों को 30,000 करोड़ रुपये की अनुमानित बचत हुई है। इसके अतिरिक्त, यह योजना स्थायी और नियमित आय के साथ स्वरोजगार के अवसर प्रदान करती है।

देश में जन औषधि केंद्रों के नेटवर्क को सशक्त और आधुनिक बनाने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

- पीएमबीजेपी की कार्यान्वयन एजेंसी, भारतीय औषध एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई), ने हाल ही में देश के सभी जिलों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं।
- सुगम आपूर्ति और उत्पादों की उपलब्धता के लिए, एक आईटी-सक्षम परिपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली तैयार की गई है। इसमें गुरुग्राम में एक केंद्रीय मालगोदाम और बेंगलुरु, चेन्नई, गुवाहाटी और सूरत में चार क्षेत्रीय मालगोदाम शामिल हैं। आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली को सशक्त करने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 36 वितरक नियुक्त किए गए हैं।
- "**जन औषधि सुगम**" नामक एक मोबाइल एप्लिकेशन शुरू की गई है, जो आम जनता के उपयोग के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करती है, जिसके माध्यम से वे कई उपयोगकर्ता-अनुकूल सुविधाओं जैसे-निकटतम जन औषधि केंद्र का पता लगाना (गूगल मानचित्र के माध्यम से दिशा निर्देशित), जन औषधि दवाओं की खोज, एमआरपी बचत के रूप में जेनेरिक बनाम ब्रांडेड दवाओं की तुलना करना आदि का लाभ उठा सकते हैं।

(च): पीएमबीआई अनियमितताओं या कदाचार की शिकायतों के संदर्भ में सख्त कार्रवाई करता है। जांच के बाद, जहां भी आवश्यक हो, दोषी पीएमबीजेके के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाती है।

अनुलग्नक

जन औषधि केन्द्रों का आधुनिकीकरण के संबंध में डॉ. कलानिधि वीरस्वामी, श्री दिलीप शइकीया द्वारा पूछे जाने वाले दिनांक 26.07.2024 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 879 के भाग (ग) के उत्तर के संबंध में उल्लिखित विवरण

दिनांक 30.06.2024 तक देश भर में खोले गए पीएमबीजेके की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सूची		
क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम**	**खोले गए पीएमबीजेके की संख्या**
1	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	9
2	आंध्र प्रदेश	262
3	अरुणाचल प्रदेश	32
4	असम	150
5	बिहार	638
6	चंडीगढ़	12
7	छत्तीसगढ	202
8	दिल्ली	465
9	गोवा	14
10	गुजरात	682
11	हरियाणा	347
12	हिमाचल प्रदेश	74
13	जम्मू और कश्मीर	299
14	झारखंड	120
15	कर्नाटक	1225
16	केरल	1228
17	लद्दाख	2
18	लक्षद्वीप*	1
19	मध्य प्रदेश	403
20	महाराष्ट्र	675
21	मणिपुर	48
22	मेघालय	19
23	मिजोरम	13
24	नागालैंड	20
25	ओडिशा	556

26	पुदुचेरी	28
27	पंजाब	432
28	राजस्थान	374
29	सिक्किम	9
30	तमिलनाडु	1107
31	तेलंगाना	180
32	दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव	37
33	त्रिपुरा	26
34	उत्तर प्रदेश	2210
35	उत्तराखंड	284
36	पश्चिम बंगाल	433
कुल योग		**12,616**

* लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन को दवाइयों की सीधी आपूर्ति की जाती है।

*****